ग्रेट निकोबार द्वीप में अंतर्राष्ट्रीय कंटेनर ट्रांसशिपमेंट पोर्ट

स्रोत: पी.आई.बी.

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय (MoPSW) के मंत्री ने ग्रेट निकोबार द्वीप के गैलाथिया खाड़ी में प्रस्तावित **इंटरनेशनल कंटेनर ट्रांसशिपमेंट पोर्ट** (International Container Transhipment Port- ICTP) की साइट का दौरा किया।

- ICTP को **मैरीटाइम इंडिया विज़न 2030** के साथ-साथ **अमृत काल विज़न 2047** की प्रमुख परियोजनाओं में से एक परिवर्तनकारी पहल के रूप में देखा गया है।

ICTP परियोजना के बारे में मुख्य तथ्य क्या हैं?

- **परिचय:**
    - ICTP एक प्रमुख बुनियादी ढाँचा परियोजना है जिसका उद्देश्य **विभिन्न बंदरगाहों के बीच कंटेनरों के ट्रांसशिपमेंट को सुविधाजनक** बनाना है।
        - **ट्रांसशिपमेंट के लिये उपयोग किया जाने वाला गहरे पानी का बंदरगाह** माल को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने वाले बड़े जहाज़ों को समायोजित कर सकता है। इसमें गहरे पानी की वाहिका तथा वस्तुओं को चढ़ाने व उतारने के लिये एक बड़ा निर्धारित क्षेत्र है। इस बंदरगाह पर एक जहाज़ से दूसरे जहाज़ तक माल के हस्तांतरण की भी सुविधा उपलब्ध है।
    - ग्रेट निकोबार द्वीप के गैलाथिया खाड़ी में प्रस्तावित ICTP, रणनीतिक रूप से **अंतर्राष्ट्रीय शिपिंग व्यापार मार्ग** से केवल **40 समुद्री मील की** दूरी पर स्थित है।
    - ICTP का लक्ष्य अपने **रणनीतिक स्थान, प्राकृतिक जल की गहराई और आस-पास** के बंदरगाहों से कार्गो के ट्रांसशिपमेंट की क्षमता का लाभ उठाकर एक अग्रणी कंटेनर ट्रांसशिपमेंट पोर्ट बनना है।
- **महत्त्व:**
    - भारत में **लगभग 75% ट्रांसशिप्ड कार्गो की व्यवस्था देश के बाहर बंदरगाहों** पर की जाती है।
        - **कोलंबो, सिंगापुर और क्लैंग इस कार्गो के 85% से** अधिक को संभालते हैं, जिसमें से 45% अकेले कोलंबो बंदरगाह पर संभाले जाते हैं।
    - भारत निर्यात-आयात व्यापार के लिये गैलाथिया खाड़ी को रणनीतिक स्थान के रूप में देखता है क्योंकि यह अंतर्राष्ट्रीय शिपिंग मार्गों पर स्थित है।
- **लाभ:**
    - इस परियोजना से **विदेशी मुद्रा** बचत होने, **प्रत्यक्ष विदेशी निवेश** आकर्षित होने और अन्य भारतीय बंदरगाहों पर आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।
    - यह संवर्द्धित लॉजिस्टिक्स बुनियादी ढाँचे, रोज़गार सृजन और राजस्व हिस्सेदारी में वृद्धि में भी योगदान देगा।
    - इस **मेगा कंटेनर टर्मिनल का विकास ग्रेट निकोबार द्वीप के समग्र विकास** का हिस्सा है।
- **परियोजना की स्थिति:**
    - इस परियोजना को पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEF&CC) से पर्यावरणीय मंज़ूरी मिल गई है।
        - परियोजना चरण 1 के लिये वन मंज़ूरी भी प्राप्त कर ली गई है।
    - परियोजना को चार चरणों में विकसित करने की योजना है, चरण 1 को वर्ष 2028 में लगभग **4 मिलियन TEU (Twenty-foot Equivalent Units- TEU) की हैंडलिंग क्षमता के साथ चालू करने** का प्रस्ताव है।
        - **वर्ष 2058 तक विकास के अंतिम चरण में हैंडलिंग क्षमता 16 मिलियन TEU** तक बढ़ने की उम्मीद है।

ग्रेट निकोबार से संबंधित मुख्य तथ्य:

- **यह निकोबार द्वीप समूह का सबसे दक्षिणी द्वीप है।**
    - इंदिरा पॉइंट अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के ग्रेट निकोबार द्वीप पर भारत के क्षेत्र का सबसे दक्षिणी बिंदु है।
- इसमें उष्णकटिबंधीय सदाबहार वन पारिस्थितिकी तंत्र हैं। यह बहुत समृद्ध पारिस्थितिकी तंत्र का घर है।
- **ग्रेट निकोबार बायोस्फीयर रिज़र्व** में पारिस्थितिकि तंत्र का एक व्यापक क्षेत्र शामिल है जिसमें उष्णकटिबंधीय आर्द्र सदाबहार वन, **समुद्र तल से 642 मीटर (माउंट थुलियर) की ऊँचाई तक की पर्वत शृंखलाएँ** तथा तटीय मैदान शामिल हैं।

▪ निकोबार द्वीप समूह में दो **'मंगोलॉइड' जनजातियाँ** निवास करती हैं जिनके नाम **शोम्पेन (Shompen)** तथा **निकोबारी (Nicobarese)** हैं।

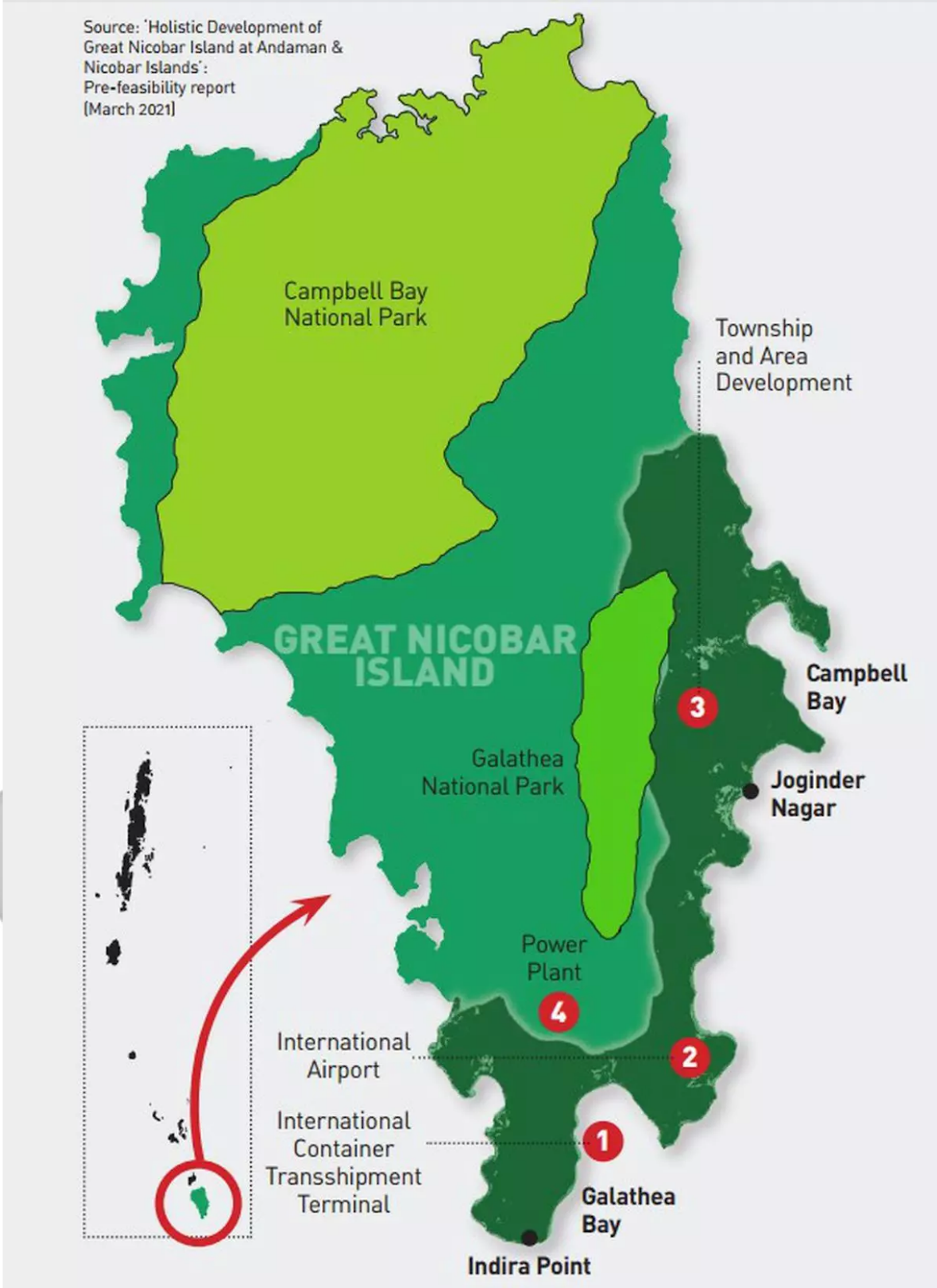

//

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. निम्नलिखित में से किसमें प्रवाल-भित्तियाँ हैं? (2014)

1. अंडमान व निकोबार द्वीप समूह
2. कच्छ की खाड़ी
3. मन्नार की खाड़ी
4. सुंदरबन

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1, 2 और 3
(b) केवल 2 और 4
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (a)

प्रश्न. निम्नलिखित द्वीपों के युग्मों में से कौन-सा एक 'दश अंश जलमार्ग' द्वारा आपस में पृथक किया जाता है? (2014)

(a) अंडमान एवं निकोबार
(b) निकोबार एवं सुमात्रा
(c) मालदीव एवं लक्षद्वीप
(d) सुमात्रा एवं जावा

उत्तर: (a)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/international-container-transhipment-port-in-great-nicobar-island